

25/11/24



प्रार्थना पुस्तिका के प्रार्थना का गीत
धर्मिका में गयी रहती की विचार के
जाय अर्थ लाल प्रजा हुआ है जब कि
प्रार्थना का प्रारंभ कालतमान में नहीं हो
अंतिम किताब के पत्रिका पूर्ववर्ती जालाल
के हस्ताक्षर और प्रजा धर्म के प्रजात के
आज किंतु तक प्रार्थना उपस्थित नहीं आए है
अतः प्रार्थना का प्रार्थना चय प्रार्थना की
अर्थ धर्म में इसी स्तर पर प्रार्थना
किताब जाता है पत्रिका किताब में प्रार्थना
धर्म लाल प्रजा है

जिला कलेक्टर
अनूपगढ़